

सुखीन



वज्रसू



सुखीन



सुखीन

नमो स्वर्ग सी हा काम नथी। एव य २ प ना दु नी उ
ती उ सा सा ॥ ॥ हि ती प धी दु ती ॥ ॥ थ ना उ नी मा न
सा न वी य के ॥ ॥ के त न के ॥ ठी ठ आ य ॥ भि ष्या रु
ती य अ ॥ ॥ अ च ग मा वा त र्थ व ना था व ला ति स व
सा वा सू षी ना रा व न्तु, सा स म गी न न दे व पु र्क व

ही न म सा मी न्हा दा या तु स सि ॥ अ च ग मा वा त र्थ
व व ला था ला व, त स व स वा सू षी ना रा व तु, सा
न वि ना गी न न दे व पु र्क, व सा न म सा मी न्हा दा या
तु स सि ॥ अ च ग मा वा त र्थ व ना था व ला, त स व स वा
सू षी ना रा व तु, ग ना न म गी न न दे व पु र्क, सी हा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥

किं कुरुष्विह पितृणां पण्यनवयस्य कश्चात् प्रापन्नया नव
अनन्तकर्म तं कर्म प्रदुष्टं शत्रुधेनो लोभना प्राण्य भीताव

शत्रुगणो कालमनीमन्त्यमहकर्मनय ॥ ४४ ॥

वज्रशस्त्रशक्तिवृद्ध



ॐ सर्वं ॥ लं वं हं मं नमि व जी र व व ज व ध कौ ॥ व ज स व ज ॥
स फ व न ॥ न तौ दा द भ अ ग ल प्र म न क स द यी स्तु प य त क सा
स न ॥ ॐ न र १ १ १ म म हा क भ दी वा प्र वी ता व क्क द न ता १ व द
व म्म स द य न ता १ प थी वी जा न द न ग ॥ सर्व वी १ १ १ भ नि कू व नु स्तु
स्ति स्तु हा ॥ ॥ थ न सि न का पू जा या डा व ॥ क स त यी ॥ ॥ इ क ल त य ॥
सं ता भ ॥ व द भ्वा य नु सर्व ॥ स द नू जी न स ता दे व ता न्प्र स ता तु स म्म

या ला क पा ला ॥ स स त दि व स्तु ता ॥ दे व ता ती १ स म्म ता भ्वा ता क ल्या
न ची का स क ल ज न प दि ता न न ज्जा र्थ ना या पू जा ग द्ग नु भ नि कू वी
ध द तु य य ती क्क तु ॥ जा ग ल य द्द ॥ ॥ व्वा न ॥ पा ता त री स्तु तं वी
या ॥ पा दा र्दी व त र्म म्भु व तु ॥ स त न ज्ज द य दे स्या तु ॥ जा न दे स्या त था त
न ॥ ॥ मा हा त र्म त द र ली ग्ग क्का दे भ न द्वा त र्म ॥ प ता न क टि द स्या
त स फ म्भ प रि की रि तं ॥ र व ला क ना ती द भ तु तु व ला का द न

सुधा ॥ सुधा की यत्नस्य सु. महत्ता क तु वरुसि ॥ उन लि के क
दक्ष. न प हा के न ला ट सु स ए ला क च मुद्रि सु तु व नानि च तु र्ध ॥
आ पा. पं ॥ ला. सुदि ग यू डा ॥ बुडा दि आ वा तान मु डा ॥ कुं न भा व ज
स्पदि भि र व ड पा ल न रु र स्वा हा ॥ पूर्व ॥ उ न क्री ही क पी ल न ल र द
ह भि वि भा लि वा न पा रु स्वा हा ॥ आ ॥ कुं य मा र्थ स्वा हा ॥ य म ॥ कुं
कुं स व र त त र्थ क न क न र स्वा हा ॥ न म ॥ कुं र यू ट व र स्वा भा लि वा

[illegible]

[illegible]

तर्कनमस्तुते ॥ ५ ॥ पातवर्धसहातेडा, सूनापातुक्ल
 थे, वासकमस्तुते ॥ ६ ॥ अजामननमस्तुते ॥ ७ ॥
 नशिवर्धमहकाय, तादातलनरुषीतं ॥ ८ ॥ स्वस्तकपा
 न, पातवर्धनमस्तुते ॥ ९ ॥ पातवर्धकपा
 न, अन्त्यदेहसहावली, वक्त्रवपुलङ्घि, मग्नवर्ध
 नसीत ॥ १० ॥ ॥ ३ पुनर्वसु पातवर्धवपुक्लदतुपातग

कमलपुष्पसुप्रसन्नसामर्ण, नमामीदं॥१८॥ नागसंतव
संकर्ष, पद्मनगसमप्रतसफाश्वयथमूहव, वजस्य
नमामीदं॥१९॥ कुलपुष्पागसकल्पदत्तप्रकाशीजीवीतं
स्नसैवाहनसशर्क, निष्कृष्टनमामीदं॥२०॥ पुष्पीवीक
त्रयश्रव, जूमतपूनसंशर्क, सवागैकनैकवर्षता, पद्मसं
नैनभ्यमुत्तं॥२१॥ नागनाशगुणवलकृताक्षीकत्रयया

पद्मीयनीसमाभ्युन. भ्रखना गायत नमो सु॥ १३ ॥ गुना
सनेसूनेसुख गैरुठक धनीनं। भ्यामवर्तुस साकाय
व्यामची गायतेनम॥ १४ ॥ भुति हाक पान पूजा ॥ ॥ त्र
तावि पुजा ॥ वि० ता न निपुणो दाव. दुपुत तावि सतयचू पूसी
मता पात सताय॥ सीमता पात चायके॥ सीखय ॥ ॥ सर्वया तस
र्वके भ्याम पके भ्य सर्व इषु वी द्यमाना नईरु॥ ॥ भुती रुतावि ॥ ॥

तत्ता माहावाक् ॥ ॐ अद्यवागाहाकल्प, वैवस्वतमन्यतनेकतीय
गाठनथखलुजाबूदाप, हंमपादेवभूकीरुतेहिमात्रयादरु
मपासुभ्यंखपवतसमीपिभ्यः सुयुगाकागम, लु लु उपचुन्दी
हुरुतेगमपुचुपवतभ्यः सुयु तुर्येपथान, अर्चयेत्तनागम
निष्कान, नपात्रदभवागमलीपूर्वकुर्याद्विरपाकुरुद्वतानिको
भ्यः नखगम ननाभगच्छया, गधनात्रकुरुतेपभ्यपतीस

निष्कान ॥ ॐ अद्य ५ ॥ ॐ ततपगाभ्यः दस्यगाभ्यः सु सुकदस्य
का ४ ककोलिवृत्तयद्वा, गापुरुवतादीहीनवदुशान, कनिष्क
कारुकादीर्घहीनमवकखायकाध्वनीधननाभि, दीनव
यप्रसवगाजादियद्वयसुधिन, पदात्रकलल ४ द्यौः ॥
ॐ प्रजालल ४ द्यौः ॥ तता सुसिवाक् ॥ सुसुवकुरुता ४ व
दसुसुदव ४ भ सकुका ४ सुसि सुवीलितानि, सबका

लंदाभनुन॥ वृह प न्या न ता वा न, दध ता ना स न न व। आ आ इ थ
स म री प्र न स क्क वी इ थ य स म क्क ती॥ सु सि वा दी प दी ता न्ठ
स स्की वा तु च प द॥ सु स्की वा व ड ता मा र्ग सु सि पु त्या ग ते सु च
स स्की ना ती सु स्की म क्क दि न स्की ती सु स्की स व स द न ग र, स र्व व
दा दी म नु व॥ सु वं उ सु स्की वी शी नु म य वा पा प मा ग म ता
स र्व स ल ४ स र्व प्र ण ४ स र्व र ता च के न ला ४॥ स र्व र्व सु खी न ४

सं मु मा न्धि पा प मा ग म ता॥ स र्व द व स क ल्या नि, स र्व न
रु उ रा ड का। स र्व म द दि का वृ द, स र्व स लो नि ना थ य॥ जू न
न सु सि वा क्क न, सु सि र न स म र्ग ता॥ या वी द र ता नि स्मी ता ना
स म ग ता नि र मा च थ वा क नि रु, कू व नु म ती स ता प्र जा सु दि
वु ना र्ग च च ना नु थ म् ४॥ ॥ त ता थ ना ता र द ली त्र गि म व
पे का न र्ग ज न, प र्ग मा र्ग थ न इ प नी र्ग डा थि म नु ल र्ग का नी र्व

ॐ नमः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धियो नमो नमः ॥ नारीस ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
देवता ॥ पम सन्दी कम ॐ सु वीडा ॐ काग सी तर्व ॥ नादवी
दकता तै वीधि हो ना न न वी ॥ वि ॥ ॥ ॐ नृग यी दी पा
दी पा वी सवी व म हा ॐ य स य क व, वा स ना य द ॐ य ॥ द
व ॥ ॥ १ ॥ सम य सु मी ती ॥ नी ला ड न ॥ ॐ व ड न रु द ॥ सु र्ग व
ॐ व ड य रु द ॥ ॐ र्व न त ॥ ॥ ॐ नृग य पु व न भ क्री ना य ॥ नृ

य पु ती च ॥ सा दा ॥ पु दी ॥ ॥ ॐ नृग पु व न भ क्री ना य, धा नृ
र म न पु ती च सा दा ॥ व क ॥ ॥ ॐ नृग पु व न भ क्री ना य, धा नृ
म पु ती च ॥ सा दा ॥ सर्व ग ॥ ॥ ॐ व ड न रु द ॥ ॥ १ ॥ सम य
ॐ पु व न ॥ ॐ स व न ॥ अ ग न क य वी ॥ भ वे य ॥ व न द ॥ सा दा ॥ व
क म ग ॥ ॥ ॐ र्व न त ॥ ॐ नृग य पु व न भ क्री ना य, धा नृ
ॐ स व न ॥ सा दा ॥ प दी र्व ॥ श्री ती र्व र्व ॥ द ॥ सा दा ॥ प व ग व ॥
पु षा न्या ॥ ॥

प्राक्तमसद्वर्गप्रपु. पाद्यपादो सुवापयत्. मही ज्व
ततो दद्यात्. वर्कना च मनैतथा. सर्वद्वयमुख गले. हृदि
अनसी पृष्ठाकं. तरुतां चक्रिकं हर्म. जालाया वृष नैत
समिहको. दाकं सब. प्रतायी दापने पुनः॥ अक्षद्या नीनसा
धैत. पुनतकृषु वसलः॥ तमीरुतु वावर्दनि. सिततिलीप
पापहं. अमलिकुता. सीदार्थावलवदीक. सुवीपलं

षयवाये गदः॥ क्रमुता हवावर्दने. सुकलसंपत्ता. अमली
अन्यकं. गम वेसमभुनि लंगदः॥ सुकलव्वील हलं व
थे कृते॥ तं जीवदीकनी समीस वेपयः॥ प्रहृष्टुदं सख्य
द. सीता गमादि हल पुन. सलिल अंकुन्ना दी पृष्ठा रुमी
दी पापि विवदना. दवि गूता नचापी सीता ग्यदी इवाय
वसवर्दनि सकल सवत्ता नृकं वा यक॥ तामूल ववर्दस



ॐ वज्रविद्यया यस्याहा ॥ अस्वस्त्य ॥ ॥ ॐ वज्रलगायस्या
हा ॥ पीताम्बा ॥ ॥ ॐ वज्रवीजायस्याहा ॥ व्रमन्त ॥ ॥ ॐ
ॐ वज्रभयस्याहा ॥ वज्रम् ॥ ॥ ॐ मधुना स्याहा ॥ मधुका
ॐ मधुना स्याहा ॥ मधुना ॥ ॥ ॐ जम्बुकायस्याहा ॥ जम्बुक ॥
ॐ सवपापपुमसन्नायस्याहा ॥ वैकिंक ॥ ॐ ॥ सवपापपुम
मनायस्याहा ॥ त्रिनेत्र ॥ ॥ ॐ सर्वकृष्णपुष्पायस्या
हा ॥ कलङ्गनाम्बा ॥ ॥ ॐ वज्रसहकायस्याहा ॥ अश्वत्थ ॥

ॐ वज्रचूगायस्याहा ॥ चूना ॥ ॥ ॐ निचूतकायस्याहा ॥ निचूत
ॐ कन्दमायस्याहा ॥ कन्दम् ॥ ॥ ॐ सवपापरात्रयस्याहा
गाताम् ॥ ॥ ॐ वज्रतीक्ष्णातीकायस्याहा ॥ तीक्ष्णातीका
ॐ वज्रपीतवर्णस्याहा ॥ पीताम्बा ॥ ॥ ॐ वज्रककुसायस्या
हा ॥ नीलम्बुनका ॥ ॥ ॐ वज्रवक्रायस्याहा ॥ मित्रसी ॥ ॥
ॐ वज्रपीथारुमायस्याहा ॥ पीथारु ॥ ॥ ॐ वज्रमदननायस्या
हा ॥ मदनका ॥ ॥ ॐ वज्रदात्रीभ्यस्तस्मै नमः ॥ ॥

ॐ अ प्र गी ह न व डी सा हा ॥ कु म ॥ ॥ ॐ व डा च वि स्वा हा
॥ ई री व डी ॥ ॥ ॐ वी म लं भू ख स भु डे नि म्म लं डल
पु रि तं । इ य न ता मृ ता ग व भि व थ वी दी भू व न
म न ॥ ॐ स व वा हा डी के आ ४ कू र्व सा हा ॥ वी दी भू व न
ॐ स व पा प द ह व डा य स व पा प द ह र स हा ॥ हा स ॥
ॐ व डा य सा हा ॥ अ रु त ॥ ॐ व डा व ग य स हा ॥
ॐ व डा व स ना य सा हा ॥ न डी ॥ ॥ ॐ व डा वी डा य

सा हा ॥ सा न्ना ॥ ॥ ॐ वी डी ता व य सा हा ॥ प्वा
ॐ म हा व ना य सा हा ॥ मा स ॥ ॥ ॐ व डा मृ ग मा य सा
हा ॥ मृ ग ॥ ॥ ॐ व डा क ना य सा हा ॥ मा ता ॥ ॥ ॐ व डा
की मा ष पी ४ सा हा ॥ की ता ॥ ॥ ॐ आ ४ कू र्व
ह मा ष के सा हा ॥ उ मा स ॥ ॥ ॐ व डा भू व ना व ॐ आ कू
सा हा ॥ रु ता ॥ ॥ ॐ कू र्व ना य ॐ आ ४ कू र्व सा हा ॥ क
मृ ग ॥ ॥ ॐ आ ४ कू र्व न सी रु ना य सा हा ॥ ता सी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

इति न सवस्वस्वजीकृष्णदीतीनाकृष्णप्रवक्ष्यामि मे मी
अतीननिलमीवसमनवसर्तकृष्ण। अतीविषा प्रोडो अक्षप
द्यावमनादीकंपूजा मुतीकृष्णशिरया न॥ ॥ दीननया
वेन॥ ॥ अ. पा. अ. पा. अ. अ. प्र. प्र. सा. न्या. अ. दी. ग. व. लि. पूजा. यं
ल. मु॥ द्या. वी. दी. द. य. म. न. म. नु॥ व. य. क. द. य. य. द. द. य. म. नु॥ अ. द्या. य. य.
ॐ म. ती. व. कृ. न. ती. व. द. द्या. दी॥ ॐ अ. य. य. दी॥ ॐ अ. य. य. दी॥ ॐ अ. य. य. दी॥ ॐ अ. य. य. दी॥
ला. मु॥ अ. ती. द्या. न. द. ती॥ ॥ य. ना. दे. व. त. पु. ती. स्मृ. द. अ. क. म. म. द. अ. गि. वी. वि.

देवतादगीयाय॥ ॐ न. ज. री. स. व. द. वा. न्यी. म. ध. ल. प. न. मा. रा. री. न. स.
ना. ली. ह. स. व. र्ज. त्या. म. डा. ला. सू. र्द. क. र्ज. त॥ म. कृ. मृ. डा. स. मा. य. क.
व. डा. क. अ. म. दी. थी. ग. त. म. ग्री. त. व. ड. की. ना. कृ. य. द्या. न. व. द्धि. स. मा.
क. र्ज. त॥ ॥ त. य. दी. य. न. म. वे. अ. नी. त. वे. अ. न. व. कृ. व. द. ता. द॥ ना. री.
म. वे. अ. सी. तं. प. र्ज. ॐ अ. द्या. दी. नृ. द. व. ता. म॥ प. र्ज. व. डा. क. म. अ. रू॥
वृ. ज. ॐ. का. र. सी. म. व॥ व. ना. द. वी. नृ. क. ला. ती. त. य. स्त. वी. वि. द्धि. द्धि.
न. वी. त॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
व्य॥ ३॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

यावद्वनरुकोटी ॥ स्वस्ति स्वीदी नमो नमः नमः नमः
दीताम नमः ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
वरसव प्रतायाय ॥ उरुलाहसिता नमः ॥ ॥ नमो भगवते
नामः ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
ॐ स्वस्ति वाकु नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
लास्या नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

पुष्पं कुटीरं श्रीवी अवसुदलादी नार्क नगदी मल्लुल ग
ताश्च सम्यक् सम्यक् ॥ वैष्णवं नरं सुगतं सुखं सुखा-
कपालान् सतीत्यासव्वी विना वलिभ्यः प्रचार्त्त ॥
अथ पात्रा ॥ वेपथुर्वीहीदं यः चन्द्रयः समावे अ-
कादिपुवशेदयात् ॥ ॐ अ४ समाधिदलजैस्त्रिहा ॥
ममनसा ॥ ॐ अ४ दूंगा श्री सतीतक४वी रूषल

दूस्त्राहा ॥ श्रीखलु ॥ ॐ वज्रवा मसि स्त्राहा ॥ जजम
ॐ सुपुष्प सुकलवल जीनयिथ पृथिव्य सुखा
हा ॥ पद्योत्पन ॥ ॐ वेम्मी वेम्मी नाउउह २ सुव
वीद्या प्रभानि कुत्र स्त्राहा ॥ चन्द्रनयूरी ॥
ॐ अ४ वज्रवर्षि स्त्राहा ॥ ॐ ॥ ॐ अ४ वज्रदीप
स्त्राहा ॥ दिप ॥ ॐ गगन गगन मवी लाकी त

[illegible]

नीय स्वाहा ॥ भत पृष्ठा ॥ ॥ ॐ वडवीडा य स्वाहा ॥ सुमूक
 ॐ सवक म्म क नी य स्वाहा ॥ नाग के सन ॥ ॥ ॐ व
 ड मे द रुं स्वाहा ॥ पद्य के भन ॥ ॥ ॐ सु पृष्ठा स्वाहा
 वी नवी रु सु ॥ समय ॥ ॐ इ ह २ रुं न स्वाहा ॥ भि डा स
 ॐ पृष्ठा रु स्वाहा ॥ गु गु नी ॥ ॥ ॐ सम य जार्थ
 स्वाहा ॥ जू नी ॥ ॥ सु सम य स्वाहा ॥ क पू ग न ॥

[illegible]

ॐ वज्र पीठकाना असादा ॥ पीठका ॥ ॥ ॐ ॐ ४ दंष्ट्रा
दा ॥ मृतादी ॥ ॥ श्री वीहीदय ॥ ॥ वनदय ॥ ॥ पृथ्वी
दृतीयाय ॥ महावाक् ॥ अद्यादी ॥ मन ॥ ॐ ॐ ४ दंष्ट्रा रक्त
दंष्ट्रा पनी श्री वी न रक्त १ दंष्ट्रा दा ॥ ॥ अ न न तु वीति
वडी दान वडी पुढी केयी ॥ सा सुता दी डी न नु वी वी मी
कल पु र ॥ १ ॥ पद्य न त्या अ न मु ष ॥ तु ष वी डी वली पुती

कुलभक्तमहेश्वर। वीरुवायु महावन । १ । कमंडवा
हनाश्वन, वउसुथातनगुहा॥ पथीपाभवनश्वकु
वैनेकुनपसुथा॥ ३॥ वेमनाडावनागाभुगव
वासुनकीवृना। गुयुनीभनीदवाध्व। अकनिष्कनिवासी
नी॥ ५॥ महायाडाकतायव, निवालीवधवर्णिनी॥ न

वा अनतिदवाध्व शुभवासाय गाध्वव॥ ७॥ मानवी
नाकभातुववधभातुनिवासीनि। वतुदीपसुतासु
सुतायवतीभातुके॥ ८॥ राजनसबलाकाध्व। लता
गुनमनुदीपदथा। सुदीतारुमीसुतायव। वीमनायोमती
सुता॥ ९॥ सावनायोकुतासुता। वेमभवा नूययव
दअयायागनाध्वय। इनगमाध्वप्राफध्व॥ १०॥ प्रताक

निनि वासी नीचु सी सुखी सी सुख। सी सुमती
मनायच, दधरुमी भुननाथ ॥ ३ ॥ डा वीगरी
गनाय भु, सब वृद्धा अवका धर्व, गगन बुद्धा म
रुपी नं ४ पुन ननक तथ भु, दवा सुन नरु उका ॥ १५ ॥
पानिता हा मवा भु न, गगनाय दम मरी, दान पती
डा डे मान ॥ ४ ॥ थनी, वेत नाक, वीरु धर्क, वीरु गगन ॥ १६ ॥

भुवनाथ धर्क ननीक सु सी रुका मनाथ पुन धर ।
दस जात वीर ॥ १७ ॥ भुभु मवे पुनी सब गोक सु रा रुका
मनाथ पुन धर पुना रुती पुन साहा ॥ १८ ॥ गजा
यात ॥ गजा विगोड, पन म भुन, पन म रकान
क सु भु भु जयन मजी तमल देव, पुन रथ क